‘प्लांट जीनोम सेवियर अवार्ड’

## चर्चा में क्यों?

19 नवंबर, 2021 को केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने छत्तीसगढ़ के चार किसानों को पौधों की पारंपरिक किस्मों के संरक्षण के लिये ‘प्लांट जीनोम सेवियर अवार्ड’ से सम्मानित किया।

## प्रमुख बिंदु

- पुरस्कृत किसानों में लिंगुराम ठाकुर (बीजापुर), दीनदयाल यादव (जांजगीर-चांपा), हेतराम देवांगन (जांजगीर-चांपा) और संजय प्रकाश चौधरी (बालोद) शामिल हैं।
- कृषि मंत्री ने इन किसानों को अवार्ड के साथ ही 1.50 लाख रुपए नकद और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया।
- किसान लिंगुराम ठाकुर ने आदिवासी बहुल क्षेत्रों में धान की लुप्तप्राय प्रजातियों को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- दीनदयाल यादव को 36 सब्जियों की पारंपरिक किस्मों के संरक्षण और प्रचार के लिये सम्मानित किया गया, जबकि हेतराम देवांगन को साई करेला और साई लौकी की स्वदेशी किस्मों के संरक्षण एवं प्रचार के लिये सम्मानित किया गया।
- संजय प्रकाश चौधरी को पारंपरिक ज्ञान का उपयोग कर जैविक खेती के लिये नवीन प्रयोगों का उपयोग करके अरकर दुबराज (धान) के संरक्षण के लिये सम्मानित किया गया। ये धान की 11 पारंपरिक किस्मों की जैविक खेती करते हैं, जो जैविक तरीके से अपनी सुगंध और स्वाद के लिये जानी जाती हैं।
- यह पुरस्कार हर साल पौधों की किस्मों के संरक्षण और किसान अधिकार प्राधिकरण, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा किसानों को उन किस्मों के उत्पादन को बचाने और बढ़ावा देने के लिये दिया जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/plant-genome-savior-award